टाइपराइटरों आदि जैसे आवश्यक यंत्रों की इस मंत्रालय में व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण राजभाषा के वार्षिक प्रभावी कार्यक्रम पिछले 11 वर्षों से पूरे नहीं किए जा सके हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या प्रभावी कदम उठाये गए हैं;

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) इस मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन 11 जुलाई, 1985 को किया गया है।

हिन्दी सलाहकार समिति की पिछली बैठक 14-9-1983 को हुई थी। आगे कोई बैठक नहीं हुई क्योंकि पहली समिति का कार्यकाल जून, 1984 को समाप्त हो गया तथा नई समिति का गठन जुलाई, 1985 को किया गया था।

(ख) और (ग) मंत्रालय में पर्याप्त संख्या में हिन्दी टाइपराइटर उपलब्ध हैं। कोई द्विभाषी टेलीप्रिन्टर, टैलेक्स, कम्प्यूटर, तथा राजभाषा का वार्षिक कार्यक्रम प्रभावित नहीं हुआ। जब कभी भी इन मदों की आवश्यकता होगी तो इनकी खरीद के प्रयास किए जाएंगे।

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति का गठन

704. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति का गठन नहीं किया गया है और गत तीन वर्षों के दौरान इसकी कभी भी नियमानुसार चार बैठकें हुई हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि भाषा के प्रचार, विकास और प्रयोग के लिए टेलीप्रिन्टर, टेलेक्स, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रानिक टाइपराइटरों आदि जैसे आवश्यक यंत्रों की इस मंत्रालय में व्यवस्था नहीं की गयी है जिसके कारण राजभाषा के वार्षिक प्रभावी कार्यक्रम पिछले 11 वर्षों से पूरे नहीं किये जा सके हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या प्रभावी कदम उठाये गये हैं ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय, जोकि फरवरी, 1983 में अस्तित्व में आया था, की हिन्दी सलाहकार समिति का गठन जून, 1983 में किया गया। समिति की 1983-84 के दौरान एक और 1984-85 में दो बैठक हुई। समिति का पुनर्गठन किया जा चुका है और उसकी बैठक 4 सितम्बर, 1985 को होनी निश्चित हुई है।

(ख) और (ग) टेलीप्रिन्टर, टैलैक्स, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रानिक टाइपराइटरों जैसे यंत्रों के अभाव में सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने और राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित करने में मंत्रालय के प्रयत्नों में बाधा नहीं पड़ी है। तथापि, जब कभी आवश्यकता पड़ेगी तब ये यंत्र खरीद लिए जाएंगे।

कृषि मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति का गठन

705. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या कृषि, मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति का गठन नहीं किया गया है और गत तीन वर्षों के दौरान इसकी कभी भी नियमानुसार चार बैठकें नहीं हुई हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि भाषा के प्रचार, विकास और प्रयोग के लिए टेलीप्रिन्टर, टेलेक्स, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रानिक टाइपराइटरों आदि जैसे आवश्यक यंत्रों की इस मंत्रालय में व्यवस्था नहीं की गयी है जिसके कारण राजभाषा के वार्षिक प्रोगार्मी कार्यक्रम पिछले 11 वर्षों से पूरे नहीं किये जा सके ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या प्रभावी कदम उठाये गये हैं ?

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) कृषि मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करके सितम्बर, (1985) में इसे विधिवत अधिसूचित कर दिया गया है। हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक निकट भविष्य में बुलाने के लिये कार्रवाई की जा चुकी है। पिछली हिन्दी सलाहकार समिति की 1982 में कोई बैठक नहीं हुई। वैसे, पिछली हिन्दी सलाहकार